रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

101, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, शुक्रवार, 14 अप्रैल, 2023 पृष्ठ: 8 मूल्य

केले के रेशों से बनाना सिखाया उपयोगी वस्तुएं,घरेलू महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

(अनवर अशरफ)। कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की 40 महिलाओं को दो दिवसीय भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत केलो के रेशों के निष्कर्षण से घरेलू उपयोगी विभिन्न उत्पादों को बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। वैज्ञानिक डॉ रितु पांडे ने बताया कि प्रशिक्षण में केलों के रेशों से डोर मेट, पर्स,वाल हैंगिंग, टोपी,टेबल कोस्टर,स्लीपर आदि उत्पादों के बनाने की विभिन्न विधियों जैसे मेक्रम, ब्रोडिंग एवं बुनाई इत्यादि सिखाई गई। वैज्ञानिक डॉक्टर पांडेय ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गृह विज्ञान के वस्त्र एवं परिधान विभाग तथा ओंकार सेवा संस्थान अमेठी के संयुक्त तत्वाधान में कराया गया अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉ मुक्ता गर्ग ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से घरेलू महिलाएं आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बनेंगी।इस अवसर पर डॉ अर्चना सिंह, डॉक्टर एस के त्रिपाठी सहित शोध छात्राएं अंकिता एवं नेहा का विशेष योगदान रहा।

घरेलू महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर, केले के रेशों से बनानी सिखायी उपयोगी वस्तुएं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की 40 महिलाओं को दो दिवसीय भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत केलो के रेशों के निष्कर्षण से घरेलू उपयोगी विभिन्न उत्पादों को बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। वैज्ञानिक डॉ. रितु पांडे ने बताया कि प्रशिक्षण में केलों के रेशों से डोर मेट, पर्स, वाल हैंगिंग, टोपी, टेबल कोस्टर, स्लीपर आदि उत्पादों के बनाने की विभिन्न विधियों जैसे मेक्रम, ब्रोडिंग एवं बुनाई इत्यादि सिखाई गई। वैज्ञानिक डॉक्टर पांडेय ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गृह विज्ञान के वस्त्र एवं परिधान विभाग तथा ओंकार सेवा संस्थान अमेठी के संयुक्त तत्वाधान में कराया गया अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉ मुक्ता गर्ग ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से घरेलू महिलाएं आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बनेंगी। इस अवसर पर डॉ अर्चना सिंह, डॉक्टर एस. के. त्रिपाठी सहित शोध छात्राएं अंकिता एवं नेहा का विशेष योगदान रहा।

www.janexpresslive.com/epaper देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उ

पीएम मोदी ने 71 हजार युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर दिए कहा, हरदम... 12

जिला निर्वाचन अधिकारी ने

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्षः 14 | अंकः 181 | मूल्यः ₹ 3.00/- पेज : 12 | शुक्रवार | 14 अप्रैल, 2023

महिलाओं को केले के रेशों से उत्पाद बनाने की जानकारी दी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बीते दिन गुरुवार को स्वयं सहायता समूह की 40 महिलाओं को दो दिवसीय भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत केलो के रेशों के निष्कर्षण से घरेलू उपयोगी विभिन्न उत्पादों को बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। वैज्ञानिक डॉ. रितु पांडे ने बताया कि प्रशिक्षण में केलों के रेशों से डोर मेट, पर्स, वाल हैंगिंग, टोपी, टेबल कोस्टर,स्लीपर आदि उत्पादों के बनाने की विभिन्न विधियों जैसे मेक्रम, ब्रोडिंग एवं बुनाई सिखाई गई। वैज्ञानिक डॉ.पांडेय ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

का आयोजन गृह विज्ञान के वस्त्र एवं परिधान विभाग तथा ओंकार सेवा संस्थान अमेठी के संयुक्त तत्वाधान में कराया गया। अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉ. मुक्ता गर्ग ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से घरेलू महिलाएं आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बनेंगी। इस अवसर पर डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. एस.के. त्रिपाठी सहित शोध छात्राएं अंकिता एवं नेहा आदि मौजूद रहे।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शुक्रवार, 14 अप्रेल 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

केले के रेशों से बनाना सिखाया उपयोगी वस्तुएं, घरेलू महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की 40 महिलाओं को दो दिवसीय भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत केले के रेशों के निष्कर्षण से घरेलू उपयोगी विभिन्न उत्पादों को बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। वैज्ञानिक डॉ रितु पांडे ने बताया कि प्रशिक्षण में केलों के रेशों से डोर मेट, पर्स,वाल हैंगिंग, टोपी,टेबल कोस्टर,स्लीपर आदि उत्पादों के बनाने की विभिन्न विधियों जैसे मेक्रम, ब्रोडिंग एवं बुनाई इत्यादि सिखाई गई। वैज्ञानिक डॉक्टर पांडेय ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गृह विज्ञान के वस्त्र एवं परिधान विभाग तथा ओंकार सेवा संस्थान अमेठी के संयुक्त तत्वाधान में कराया गया अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉ मुक्ता गर्ग ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से घरेलू महिलाएं आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बनेंगी।इस अवसर पर डॉ अर्चना सिंह, डॉक्टर एस के त्रिपाठी सहित शोध छात्राएं अंकिता एवं नेहा का विशेष योगदान रहा।

अमर उजाला कानपुर 13/04/2023

केले के रेशे से डोर मेट बनाना सिखाया

कानपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के गृह विज्ञान विभाग की ओर से कार्यशाला का आयोजन हुआ। 40 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। वैज्ञानिक डॉ. रितु पांडेय ने बताया कि महिलाओं को केले के रेशे से डोर मेट, पर्स, वॉल हैंगिंग, टोपी, टेबल कोस्टर, स्लीपर आदि बनाना सिखाया गया। डॉ. मुक्ता गर्ग, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. एसके त्रिपाठी के साथ अंकिता व नेहा ने भी प्रशिक्षण दिया। (ब्यूरो)